हिन्दी Hindi Class 12 Important Question Chapter 3 अपना मालवा – खाऊ उजाड़ू सभ्यता में

1. मालवा क्या है?

उत्तर: मालवा एक प्रदेश का नाम है। जिसका वर्णन लेखक ने पाठ में किया हैं।

2. लेखक औद्योगिक सभ्यता को क्या कहते है?

उत्तर: लेखक औद्योगिक सभ्यता को उजाड़ की सभ्यता कहते है

3. भारत में उजाड़ (औद्योगिक) सभ्यता किसके कारण आई?

उत्तर: लेखक बताते है की भारत की उजाड़ (औद्योगिक) सभ्यता यूरोप और अमेरिका के कारण आई।

4. सबसे पहले उद्योग की स्थापना कहाँ हुई?

उत्तर: सबसे पहले उद्योग की स्थापना अमेरिका और यूरोप में हुई।

5. बिना चीनी के चाय कौन पिलाता है?

उत्तर: बिना चीनी के चाय नगर स्टेशन पर मीणा जी पिलाते थे।

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

1. लेखक ने अपना मालवा अध्याय में क्या वर्णन किया है?

उत्तर: लेखक ने अपना मालवा अध्याय में मालवा के लोगों का सामान्य जीवन, वहाँ की प्राकृतिक घटनाओं और उनका जन जीवन पर प्रभाव, मौसम, नदियां आदि का वर्णन किया है। लेखक ने मालवा की संस्कृति का वर्णन भी अपना मालवा अध्याय में किया है।

2. कुछ राजाओं के नाम लिखों जिन्होंने जल संरक्षण में अपना योगदान दिया?

उत्तर: राजा विक्रमादित्य, राजा भोज, राजा मुंज ने जल संरक्षण के लिए अनेक प्रयास किए। जिससे मुश्किल समय में पानी की आपूर्ति हो सके। इन्होंने जल संरक्षण में अपना अहम योगदान दिया।

3. पुरइन किसे कहते है?

उत्तर: हिंदू धर्म के अनुसार भोजन कमल पत्रों पर परोसा जाता है। इन्हीं कमल पत्रों को पुरइन कहता है। प्राचीन समय में भी खाना पत्रों पर ही परोसा जाता था। आज भी बहुत सी जगहों पर ऐसा होता है।

4. भारत की नदियां गंदी क्यों है?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर: भारत की नदियां खासतौर पर भारतीय लोगो के अंधविश्वास के कारण गंदी है। क्योंकि लोग पूजा की सामग्री को नदियों में बहा देते है। शव को भी वे नदियों में बहा देते है। कुछ ऐसे लोग जो अपने देश को साफ करना अपना कर्तव्य नहीं समझते वे कूड़ा, प्लास्टिक की वस्तु भी नदियों में बहा देते है। इन सभी कारणों के कारण भारत की नदियां गंदी हैं।

5. वायुमंडल पर कार्बन डाइऑक्साइड का क्या प्रभाव पड़ रहा है?

उत्तर: वायुमंडल पर कार्बन डाइऑक्साइड गैस का प्रभाव पड़ता है। इस गैस की अधिकता के कारण धरती का तापमान बढ़ जाता है। जिस कारण प्राकृतिक घटनाएं घटित होती हैं जो जन जीवन को अधिक प्रभावित करती है। यह वायुमंडल के संतुलन को बिगड़ देती है।

लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

1. ओंकारेश्वर में नर्मदा पर बनते बांध को देखकर लेखक को क्या ख्याल आता है?

उत्तर: ओंकारेश्वर में नर्मदा पर बनते बांध को देखकर लेखक को नर्मदा नदी पर बन रहे बांध को देखकर ख्याल आता है, यह बांध सीमेंट और कंक्रीट से बन रहा है। वह अधिक ऊंचा है इसलिए किसी राक्षस के समान लग रहा है। जो नर्मदा नदी की गति में अवरोध उत्पन्न कर रहा है

2. वातावरण के गर्म होने का क्या कारण है?

उत्तर: वातावरण के अधिक गर्म होने का कारण लेखक ने कार्बन डाइऑक्साइड , वनों की कटाई, हानिकारक अन्य गैसों का उत्सर्जन, उद्योगों का हानिकारक धुआं आदि कारण माने है। जिसके कारण वायुमंडल का संतुलन बिगड़ जाता है। यह प्रकृति घटनाओं का कारण बनता है। जिसका सीधा सीधा प्रभाव जन जीवन पर पड़ता है।

3. यूरोप और अमेरिका की उद्योग की सभ्यता में क्या योगदान है?

उत्तर: यूरोप और अमेरिका की उद्योग की सभ्यता में महत्वपूर्ण योगदान है क्योंकि उद्योग की स्थापना सबसे पहले इन्हीं दोनों देशों में हुई थी। इन्होंने उद्योगों के विस्तार को बढ़ावा दिया। उन्होंने इस सभ्यता को पूरी तरह से अपना लिया था। ये दोनो देश अपनी इस सभ्यता के साथ कोई भी समझौता नहीं करना चाहते थे। अत: यूरोप और अमेरिका की उद्योग की सभ्यता में योगदान दिया हैं।

4. लेखक के अनुसार वातावरण के गर्म होने के प्रभावों को लिखों।

उत्तर: लेखक के अनुसार वातावरण के गर्म होने के अनेक प्रभाव हैं। मौसम चक्र में बदलाव होना, मालवा जैसे प्रदेश में बारिश का कम होना, ग्लेशियर का बार बार पिघलना, ठंडे प्रदेशों में बर्फ की जगह पानी का गिरना आदि लेखक के अनुसार वातावरण के गर्म होने के प्रभाव हैं। ये सभी कारक सामान्य जन जीवन को अधिक प्रभावित करते है। उनकी जीवन शैली में भी बदलाव लाते है।

5. लेखक ने नवरात्रि की पहली सुबह का कैसा वर्णन किया है?

उत्तर: लेखक ने नवरात्रि की पहली सुबह का वर्णन करते हुए कहा है की नवरात्र की सुबह थी। मालवा में घट स्थापना की तैयारी थी। गोबर से घर आंगन लिपने और रंगोली बनाने की तैयारी हो रही थी। लड़कियों और औरतों के सजने की तैयारियां चल रही थी। लेकिन ऐसा लग रहा था की आसमान से पानी गिरकर ही रहेगा।

https://www.evidyarthi.in/

लेखक कहता है की ऐसा नहीं था की नवरात्र में पहले पानी गिरते नहीं देखा। लेकिन यह मानसून के जाने का समय था और अब लग रहा था की अबकी बार तो यह जमे रहने की धौंस दे रहा है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

1.जनजीवन पर बारिश का क्या बुरा प्रभाव पड़ता है?

उत्तर: जनजीवन पर बारिश के निम्न बुरे प्रभाव पड़ते हैं।

1) अधिक बारिश होने के कारण किसानों की फसल खराब हो जाती हैं।

2) अधिक बारिश होने के कारण बाढ़ आने का डर होता है।

3) बारिश होने के कारण लोगों को अपने आवाद का भी खतरा रहता हैं।

4) बारिश के कारण सभी जगह पानी भर जाता है जिसके कारण लोगों के आने जाने में परेशानी होती हैं।

5) कई बार लोगों के घर भी उनसे छीन जाते हैं।

इस प्रकार अनेक कारणों के द्वारा जनजीवन पर बारिश का बुरा प्रभाव पड़ता है। जिसके कारण उन्हें नुकसान सहना पड़ता है।

2. लेखक ऐसा क्यों कहते हैं की मालवा में अब पहले जैसी बारिश नहीं होती हैं?

उत्तर: मालवा में अब पहले जैसी बारिश नहीं होती लेखक ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि मनुष्य ने प्रकृति में बहुत से बदलाव किए है जिसका सारा प्रभाव मौसम चक्र पर पड़ा है। उद्योगों की हानिकारक गैसों का वायुमंडल में मिलने के कारण भी मौसम प्रभावित होता हैं। ऐसी अनेक परिस्थितियां है जिनके कारण वायुमंडल पेभावित होता है और मालवा में बारिश पहले जितनी नहीं होती है। यदि सामने बारिश भी होती है तो लोगों को लगता है की पहले से ज्यादा बारिश हुई है। इसलिए लेखक कहता है की मालवा में पहले जैसी बारिश नहीं होती है।

3. लेखक आज के इंजीनियरों को भ्रमित क्यों मानते है?

उत्तर: लेखक आज के इंजीनियरों को भ्रमित मानता हैं क्योंकि उन्हें लगता है की हमें पानी संरक्षण की योजना पश्चिमी सभ्यता से प्राप्त हुई है। पानी के प्रबंध के बारे में पहले के लोग ज्यादा नहीं जानते थे, उन्हे इसके बारे में कोई भी जानकारी नहीं थी। लेकिन ऐसा नहीं था पहले के जमाने में राजा महाराजा बहुत ही अच्छे से जानते थे की पानी का संरक्षण किस प्रकार करना है। इसका ज्ञान उन्हें पश्चिमी सभ्यता के पहले ही था। लेकिन इसके बारे में आज के इंजीनियर नहीं जानते हैं इसलिए लेखक ने उनको भ्रमित कहा है।

4. लेखक आज के इंजीनियरों का भ्रम कैसे दूर करते हैं?

उत्तर: जब आज के इंजीनियर ये कहते हैं की जल प्रबंध के बारे में जानकारी उन्हें पश्चिमी सभ्यता से हुई है। इसके पहले उन्हें इसके इसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी। यह आज के इंजीनियरों का भ्रम है। इसे दूर करते हुए लेखक पहले के जमाने के राजाओं जैसे विक्रमादित्य, भोज, मूंज आदि का उदहारण देते हुए बताते हैं

https://www.evidyarthi.in/

की इन सभी राजाओं ने जल संरंक्षण की विधि को अपनाया था। उसके संरक्षण के लिए इन्होंने नदियां, झीलें, तालाबों आदि का निर्माण करवाया था। इस प्रकार लेखक आज के इंजीनियरों का भ्रम दूर करते हैं।

5. जनजीवन पर बारिश का क्या अच्छा प्रभाव पड़ता है?

उत्तर: जनजीवन पर बारिश के अच्छे प्रभाव निम्नलिखत पड़ते हैं–

1)बारिश के कारण जिस फसल को अधिक पानी की जरूरत है उसकी उपजता अधिक होती हैं।

2)सूखे स्थानों पर बारिश वहाँ के लोगों के लिए एक नया जीवन लेकर आती है।

3)आने वाले समय में सिंचाई के लिए पानी संरक्षित होता है।

4) बाढ़ के कारण नदियों से उपजाऊ मिट्टी बहकर खेतों में आ जाती है जिसके कारण किसानों को लाभ होता है।

5) बारिश के कारण लोगों के पैसों की बचता होती है और साथ ही साथ बिजली में भी क्यूंकि फसल में बारिश का पानी चला जाता है।

इस प्रकार बारिश का पानी जनजीवन के लिए लाभदायक साबित होता है। जिससे उनको अधिक मदद मिलती है।

https://www.evidyarthi.in/